



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 16, 2003/भाद्र 25, 1925

No. 144]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 16, 2003/BHADRA 25, 1925

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 15 सितम्बर, 2003

सं. टीएमपी/51/2003-वीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण पत्तन स्टाइरीन मोनोमर और अन्य रसायनों के वर्तमान बंदरगाह शुल्क प्रभार कम करने के लिए विशाखापत्तनम पत्तन न्यास से प्राप्त प्रस्ताव का, एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार, निपटान करता है।

विशाखापत्तनम पत्तन न्यास (वीपीटी)

आवेदक

आदेश

(सितम्बर, 2003 के 10वें दिन पारित)

यह प्रकरण स्टाइरीन मोनोमर और अन्य रसायनों के वर्तमान बंदरगाह शुल्क प्रभार कम करने के लिए विशाखापत्तनम पत्तन न्यास से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2.1. वीपीटी ने अपने प्रस्ताव में निम्नलिखित मुख्य बातें कही हैं :-

- (i) स्टाइरीन मोनोमर रसायन प्लास्टिक उद्योग में उपयोग किए जाने वाले पोलिस्टीन के उत्पादन हेतु कच्चा माल है।
- (ii) पश्चिमी तट में पोलिस्टीन के दो मुख्य उत्पादकों के प्रवेश से विशाखापत्तनम की उत्पादन इकाई कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही है। इसके आलोक में, स्टाइरीन मोनोमर के बंदरगाह शुल्क में कमी करने का प्रस्ताव किया गया है।
- (iii) अन्य रसायनों की बंदरगाह शुल्क दर यथामूल्य पर आधारित है जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य में उतार-चढ़ाव से वृद्धि होती है। इसके अलावा, रसायन की वर्तमान बंदरगाह शुल्क दर पड़ोसी पत्तनों चेन्नई और कांडला की वर्तमान दर की तुलना में अधिक है।

2.2. उपर्युक्त के मंदेनजर, और अतिरिक्त मात्रा आकर्षित करने के लिए, वीपीटी ने स्टाइरीन मोनोमर और अन्य रसायनों की बंदरगाह शुल्क-दर कम करने का प्रस्ताव किया है। वर्तमान और प्रस्तावित दरों की तालिका निम्नलिखित है :-

विवरण	वर्तमान दर	प्रस्तावित दर
स्टाइरीन मोनोमर	72/- रुपए प्रति टन	60/- रुपए प्रति टन
मेथनोल, आईपीए और अन्य रसायन	0.44% रुपए यथामूल्य	45/- रुपए प्रति टन

2.3. वीपीटी ने प्रस्तावित दर को इस प्रस्ताव के अंतिम अनुमोदन तक तदर्थ अनुमोदन प्रदान करने का भी अनुरोध किया है।

3. वीपीटी से प्राप्त प्रस्ताव के संदर्भ में, निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है :-

- (i) स्टाइरीन मोनोमर और अन्य रसायनों की वर्तमान बंदरगाह शुल्क दर कम करने के लिए वीपीटी का प्रस्ताव कारोबार को आकर्षित करने के लिए है। अन्य रसायनों की वर्तमान बंदरगाह शुल्क दर यथामूल्य आधारित है। पत्तन ने इस दर को प्रति टन दर में परिवर्तित कर दर कम करने का प्रस्ताव किया है। यह प्राधिकरण बंदरगाह शुल्क की दर को यथामूल्य प्रमारों के स्थान पर प्रति टन निर्धारित करने को सदैव प्रोत्साहन देता रहा है। यह उल्लेखनीय है कि प्रस्तावित दर वाणिज्यिक निर्णय पर आधारित है और कथित रूप से यह पत्तन और उसके संबंधित उपयोगकर्ताओं दोनों के लिए लाभदायक है।
- (ii) यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि भारत सरकार ने महापत्तन न्यास अधिनियम की धारा 111 के अधीन इस प्राधिकरण को दरमान अधिकतम दरों के रूप में निर्धारित करने के लिए नीति निदेश जारी किया है ताकि महापत्तनों को, यदि वे ऐसा चाहें तो, कम की गई दरों पर वसूली करने का अधिकार मिल सके। सरकार की नीति को कार्यान्वित करने के लिए, इस प्राधिकरण ने हाल ही में 28 अगस्त, 2003 को आदेश पारित किया है और सभी महापत्तन न्यासों को अपने-अपने दरमान में यह सामान्य सशर्तता शामिल करने का निदेश देते हुए भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया है कि दरमान में निर्धारित दरें अधिकतम दरें हैं ; इसी प्रकार, कटौतियां और छूट निम्नतम हैं। पत्तन न्यास, यदि वह ऐसा चाहे तो, निम्नतर दरें वसूल कर सकता है और/अथवा अधिक कटौतियां और छूट प्रदान कर सकता है।

चूंकि दरमान में शामिल किया गया संशोधन पत्तन को अपने वाणिज्यिक निर्णय के आधार पर कम की गई दरें वसूल करने का आवश्यक अधिकार प्रदान करता है, इसलिए इस प्राधिकरण को स्टाइरीन मोनोमर और अन्य रसायनों हेतु प्रस्तावित दरों में विशिष्ट कमी करने की आवश्यकता नहीं है।

4. परिणामस्वरूप, उपर्युक्त कारणों से और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर, यह प्राधिकरण वीपीटी के प्रस्ताव को अनावश्यक मानकर निपटाता है।

अ. ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[सं. विज्ञापन/III/IV/143/03-असाधारण]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS**NOTIFICATION**

Mumbai, the 15th September, 2003

No. TAMP/51/2003-VPT.— In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal of the Visakhapatnam Port Trust for reduction in the existing wharfage charge of Styrene Monomer and other chemicals as in the Order appended hereto.

The Visakhapatnam Port Trust

Applicant**ORDER**

(Passed on this 10th day of September 2003)

This case relates to a proposal received from the Visakhapatnam Port Trust (VPT) for reduction in the existing wharfage charge of Styrene Monomer and other chemicals.

2.1. The VPT has made the following main points in its proposal.

- (i). The chemical Styrene Monomer is a raw material for production of polystyrene which is used in plastic industry.
- (ii). The manufacturing unit in the Visakhapatnam is facing stiff competition with entrance of two major manufacturers of polystyrene in the west coast. In the light of this, it is proposed to reduce wharfage rate of Styrene Monomer.
- (iii). The wharfage rate for other chemicals is based on ad valorem which increases with fluctuation in the international price. Further, the existing wharfage rate for chemical is higher in comparison to the rate existing in the neighbouring ports of Chennai and Kandla.

2.2. In view of the above, and to attract additional volume, the VPT has proposed to reduce the wharfage rate of Styrene Monomer and other Chemicals. The existing and the proposed rates are tabulated below:

Description	Existing Rate	Proposed Rate
Styrene Monomer	Rs.72/- per tonne	Rs.60/- per tonne
Methonal, IPA and other Chemicals.	Rs.0.44% ad valorem	Rs.45/- per tonne.

2.3. The VPT has also requested this Authority to accord adhoc approval to the proposed rate till final approval of the proposal.

3. With reference to the proposal received from the VPT, the following position emerges:

- (i). The proposal of the VPT is for reduction in the existing wharfage rate for Styrene Monomer and other chemicals in order to attract business. The existing wharfage rate for other chemicals is on ad valorem basis. The port has proposed to reduce the rate by changing over to a per tonne rate. This Authority always encourages prescription of per tonne rate of wharfage instead of ad valorem charges. It is noteworthy that the proposed rate is based on the commercial decision of the port and is stated to be for the mutual benefit of the port and its concerned users.
- (ii). It may be relevant to mention that the Government of India has issued a policy direction to this Authority under Section 111 of the MPT Act to fix the Scale of Rates as ceiling rates so that the major ports have the flexibility to charge at reduced rates, if they so desire. In order to implement the policy of the Government, this Authority has recently passed an Order on 28 August 2003 and notified it in the Gazette of India directing all

the major port trusts to include a general conditionality in their Scale of Rates stating that the rates prescribed in the Scale of Rates are ceiling levels; likewise, rebates and discounts are floor levels. The Port Trust may, if it so desires, charge lower rates and / or allow higher rebates and discounts.

Since the amendment introduced in the Scale of Rates provides necessary flexibility to the port to charge reduced rates based on its commercial judgement, it is not necessary for this Authority to go into specific reduction in rates proposed for Styrene Monomer and other chemicals.

4. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority disposes of the proposal of the VPT as superfluous.

A. L. BONGIRWAR, Chairman
[No. ADVT/III/IV/143/03-Exty.]